



# भारत सरकार Government of India

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय / Ministry of Agriculture & Farmers Welfare  
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग / Department of Agriculture & Farmers Welfare

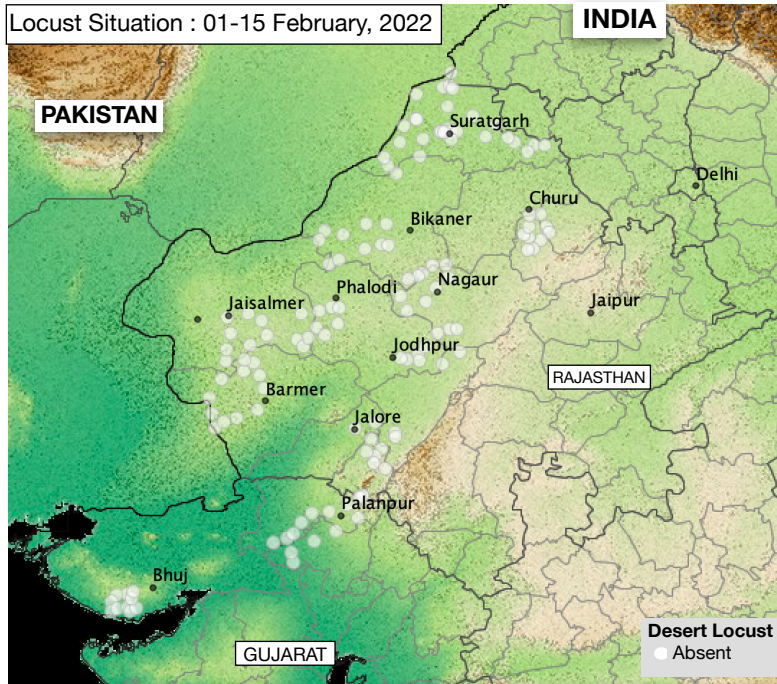
## DESERT LOCUST SITUATION BULLETIN

Year 2022 / No. 03

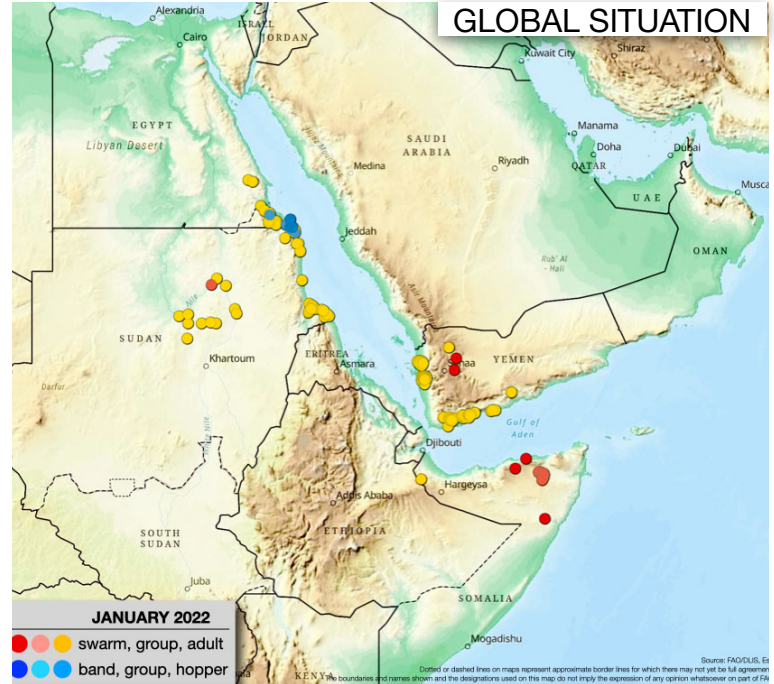
अवधि / Period 01-15 February, 2022

**LOCUST SITUATION :** During the routine survey, it has been observed that India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities during the 1<sup>st</sup> fortnight of February, 2022. Total 135 nos. of spots were observed during the surveys which are plotted on the map.

**टिप्पणी की गतिविधियाँ :** फरवरी 2022 के प्रथम पखवाड़े में भारत रेगिस्तानी टिप्पणी की समूह एवं एकल गतिविधियों से मुक्त रहा है। इस अवधि में अनुसूचित रेगिस्तानी क्षेत्रों में नियमित सर्वेक्षण के दौरान कुल 135 स्थानों का अवलोकन किया गया जिन्हे मानचित्र पर चिन्हित किया गया है।



India is free from gregarious as well as solitary desert locust activities

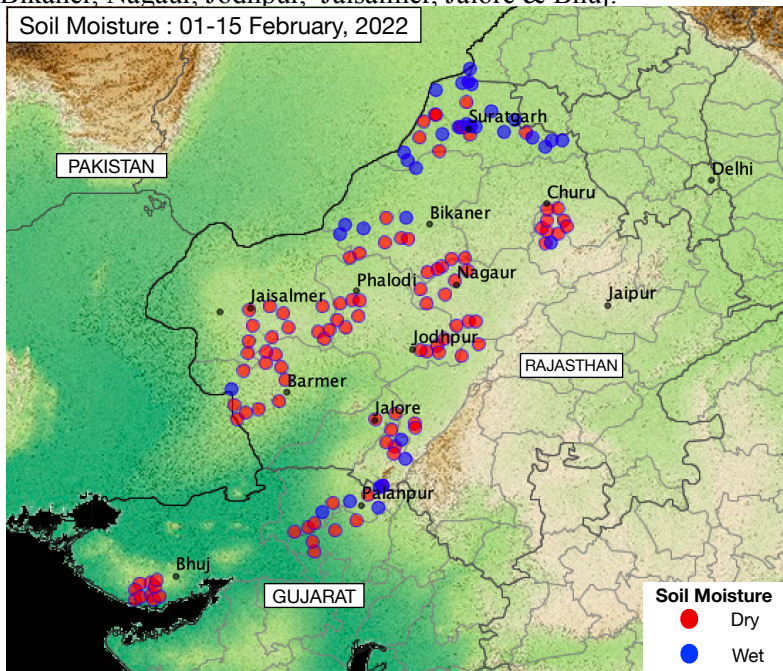


**Upsurge declines in the Horn of Africa.** After more than two years, the current Desert Locust upsurge has finally declined.

Swarm movement : Nil  
Breeding : Nil  
Hoppers : Nil  
Scattered / Isolated adult/Adult Groups : Nil

**WEATHER AND ECOLOGY :** No rainfall observed during the reporting period. Soil moisture observed wet in Suratgarh, some places in Bikaner & Palanpur and dry at Churu, Nagaur, Phalodi, Jaisalmer, Jalore, Jodhpur, Barmer, Bhuj. Vegetation was found green at Suratgarh, Churu, Phalodi, Barmer, Palanpur and dry at Bikaner, Nagaur, Jodhpur, Jaisalmer, Jalore & Bhuj.

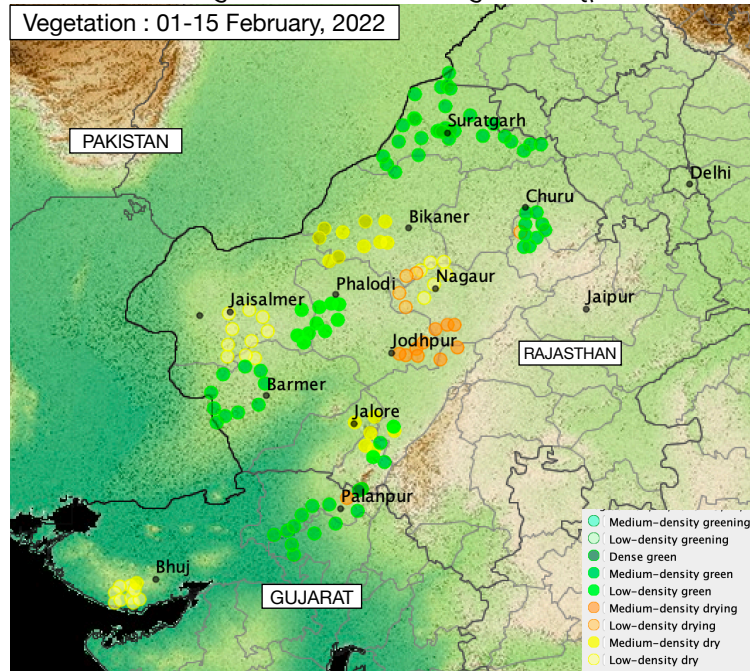
Soil Moisture : 01-15 February, 2022



Soil moisture observed wet in Suratgarh, Bikaner & Palanpur and dry at Churu, Nagaur, Phalodi, Jaisalmer, Jalore Jodhpur, Barmer, Bhuj.

**मौसम एवं परिस्थितिकी :** रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कहीं वर्षा नहीं देखी गई। सूरतगढ़, बीकानेर एवं पालनपुर के कई स्थानों में मिट्टी में नमी देखी गई और चुरु, नागौर, फलोदी, जैसलमेर, जालोर, जोधपुर, बाड़मेर, भुज में भूमि नमी रहित पायी गई। सूरतगढ़, चुरु, फलोदी, बाड़मेर, पालनपुर में वनस्पति हरी पाई गई जबकि बीकानेर, नागौर, जोधपुर, जैसलमेर, जालौर और भुज में इसे सूखा पाया गया।

Vegetation : 01-15 February, 2022



Vegetation found green at Suratgarh, Churu, Phalodi, Barmer, Palanpur and dry at Bikaner, Nagaur, Jodhpur, Jaisalmer, Jalore & Bhuj.

**FAO Update (1 February):** No locusts were seen in **Ethiopia** and **Kenya**, and southerly migration was not detected. Poor rains have limited winter breeding to a small area along both sides of the **Egypt/Sudan** border on the Red Sea coast. While small-scale breeding may occur during February on the coastal plains near the **Sudan/Eritrea** border and in a few places on the **Saudi Arabia** and **Yemen** coast. Small-scale breeding is likely to commence during February and March in the spring breeding areas of southeast **Iran** and southwest **Pakistan** where early rains fell in January, and south of the Atlas Mountains in **Morocco** where isolated adults are currently present.

**South West Asia Commission (SWAC) :** Situation is calm in Iran, Pakistan, India and Afghanistan.

**FORECAST (India) :** Ecological conditions are not favourable for DL breeding in India and as per FAO update there is no DL activity reported in SWAC region. Therefore, any migration/locust activity is not expected in coming fortnight, but surveys for close monitoring will be continued.

**एफ. ए. ओ. अपडेट (1 फरवरी) :** इथियोपिया और केन्या में कोई टिड्डियां नहीं देखी गईं और दक्षिणी देशांतर गमन उम्मीद नहीं है। कम बारिश ने लाल सागर तट पर **मिस्र/सूडान** सीमा के दोनों किनारों पर एक छोटे से क्षेत्र में सर्दियों के प्रजनन को सीमित कर दिया है। फरवरी के दौरान छोटे पैमाने पर **सूडान/इरिट्रिया** सीमा के पास तटीय मैदानों पर और सऊदी अरब और यमन तट पर कुछ स्थानों पर प्रजनन हो सकता है। दक्षिण-पूर्व **ईरान** और दक्षिण-पश्चिम **पाकिस्तान** के वसंत प्रजनन क्षेत्रों में फरवरी और मार्च के दौरान छोटे पैमाने पर प्रजनन शुरू होने की संभावना है, जहां जनवरी में शुरुआती बारिश हुई थी, और मोरक्को में एटलस पर्वत के दक्षिण में छितरे हुए वयस्क मौजूद हैं।

**दक्षिण पश्चिम एशिया आयोग (एसडब्ल्यूएसी) :** ईरान, पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान में स्थिति शांत है।

**पूर्वानुमान :** भारत में टिड्डी प्रजनन के लिए पारिस्थितिक परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं हैं एवं एफ. ए. ओ. अपडेट के अनुसार, एसडब्ल्यूएसी क्षेत्र में टिड्डी गतिविधि की कोई सूचना नहीं है। इसलिए, आने वाले पखवाड़े में टिड्डी की किसी प्रकार की गतिविधि/ देशांतर गमन की उम्मीद नहीं की जाती, लेकिन कड़ी निगरानी के लिए सर्वेक्षण जारी रहेगा।

Photographs taken by surveyors during Survey

